Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________________

(In words)

Test Booklet No.

J—6705

PAPER—III

ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given herewith.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

भाग – I

NOTE: This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5 × 5 = 25 Marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है। **(5 × 5 = 25 अंक)**

It appears that the foundations for the emergence of the Early Historic city were already being laid during the second millennium BC. All the material aspects which actually constituted an Early Historic city were present during this period of incipient urbanism. During this time only a key for social mobilization was missing causing settlements and societies to remain at a ceiling size. Rather than attributing the actual emergence of this element to the early Iron Age the archaeological evidence suggests that attempts were being made during the post-urban and non-Harappan Chalcolithic to mobilize groups of people in numbers in excess of kinship ties. Perhaps it is no coincidence that one of the largest copper hoards, weighing over 60 kg and consisting of an elephant, a rhinoceros, a buffalo and a man in a buffalo-drawn chariot, came from Daimabad one of the largest known non-Harappan Chalcolithic settlements covering some 30 hectares and standing at the centre of a three-tier settlement hierarchy. It thus appears that the period between the Harappan and Early Historic civilizations was less of a Dark Age but more of a period of gradual stable growth and innovation which culminated in the emergence of the Early Historic world. However until we have the full horizontal excavation sequence of an Early Historic city from its Chalcolithic beginnings we will often just be examining settlements that failed. Only by examining the transition from Chalcolithic village to Early Historic city can we attempt to identify the possible factors involved in the development of a successful city, and until more excavations of the calibre of the one at Inamgaon are carried out it would be presumptuous to suggest any more from the fragmentary data.

ऐसा प्रतीत होता है कि आरंभिक ऐतिहासिक नगर के आविर्भाव की नींव, इं. पू. द्वितीय सहस्त्राब्दि के माल मे हो गयी थी । आरंभिक ऐतिहासिक नगर को निर्मित करने वाले सभी भौतिक घटक उस काल के आदिम नगरीकरण में ही मौजूद थे। इस काल में सामजिक गतिशीलता की एकमात्र कुंजी का ही आभाव था तथा समाज एक सीमित आकार में थे। इन त्तवों के वास्तविक आविर्भाव के पूर्व लौह युग में योगदान से, अधिक, पुरातत्व प्रमान यह बताते है कि नगर के बाद की तथा अ- हरप्पन ताम्रअश्मक काल मे अत्याधिक संख्यावाले लोगो के समुहो को, गति शील बनाकर सगोत्रता में बांध दिया। शायद यह कोई संयोग नही था कि एक सबसे अधिक बडी ताम्रनिधि जिसका भार साठ के.जी. था और जिसमें एक हाथी एक गैंडा, एक भैंसा और भौसो द्वारा खींचे गये रथ में एक मानव निर्मित था, यह धैमाबाद से प्राप्त हुई थी जो अ-हटप्पन ताम्रअश्मक काल का सबसे ब्रहत ज्ञात सन्निवेश है और तीस हेक्टेयर में फैला हुआ, एक त्रिस्तरीय सन्निवेशीय क्रम के मध्य में स्थीत था। अत: ऐसा प्रतीत होता है कि हडप्पीथ और पूर्व ऐतिहासिक सम्यताओ के मध्य का काल अंधकार युक्त न होकर, निरन्तर स्थायित्व की और विकसित होने वाले समय का तथ्य नवीकरण का वह समय था, जो पुर्व ऐतिहासिक विश्व के आविर्भाव के साथ जुडा था। फिर भी जब तक पूर्व ऐतिहासिक नगर का पूर्णरुपेण क्षेत्रीय उत्खनन न हो, वह भी उसके ताम्रअश्मक काल के आरम्म से, तब हम प्राथ: जो परीक्षित करते है वह असफल हो जाता है केवल ताम्रश्मक ग्राम से, पुर्व ऐतिहासिक नगर में बदलाव की जांच करके ही, हम एक सफल नगर के विकास के संभावित पहलुओ की पहचान कर सकते है और जब तक इनामगॉव की तरह से अन्य और अत्खनन ने किये जार, खंडित आंकडा से आनुमानिक परामथी ही दिये जा सकते है ।

1. Which cultural periods of incipient urbanization are hinted by the author in the beginning of this passage ?

इस पद के प्ररंभ में लेखक ने जिस सांस्कृतिक कालों का आदिम नगरीकरण के संम्बन्ध में उल्लेख किया है।

2. How can one determine the transition from the rural (copper users) to the city (iron using) dwellers ?

ग्रामीण (ताम्र प्रयोग करने वाले) से नगरीय(लौह प्रयुक्त करने वाले) आवासीयो के संक्रमण को कैसे निर्धारित किया जा सकता है ?

3. What was the main factor to formulate kinship ties during the second millennium BC ?

ई. पू. द्वितीय सहस्त्राब्दि मे सगोत्रले को निर्धशित करने के कौन से प्रमुख कारण थे।

4. What is the significance of settlement pattern of Diamabad ?
धैमाबाद के सन्विवशे का क्या महत्वपुर्ण नमुना है।

5. Would you regard the period lying between the I and the II urbanizations as dark Age ? Discuss with reasons.
प्रथम और द्वितीय नगरीकरण के मध्य के काल को क्या आप अंधकर युग मानेंगे। कारणो कें साथ चर्चा करें।

SECTION - II

भाग – II

NOTE: This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5 × 15 = 75 Marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंक के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है। **(5 × 15 = 75 अंक)**

6. How would you record the exposed sequence of layers during excavation of an early historical site ?

प्रारम्भिक ऐतिहासिक काल के उत्खनित स्तरो के विन्यास को आप कैसे टिकाई करेगें ?

7. What information can be derived from Flourine Test ?
फ्लोरिन परिक्षण से क्या सुचनाऐं उपलब्ध होती हैं?

8. What is the main aim of New Archaeology ?
नुतन पुरत्तत्व को मुख्य उद्देश्य क्या है?

9. What were the cultural stages of wÜrm glaciation ?
व्यूम हिमयुग के मुख्य सांस्कृतिक चटण कौन से है?

10. Discuss group of Levalloi's techniques.
लवालुआ तकनिकियों के वर्ग का विवेचन कीजिए।

11. What is the significance of Acheulian remains at Paisra ?
पैसरा के अथुलियन अवशेषों का क्या महत्व है?

12. Discuss nature of agriculture practiced by the earliest inhabitants of Kashmir Valley.
काश्मीर घाटी के सर्व प्रथम आवासियो मे प्रचलित कृषि के स्वरुप का विवेचन कीजिए।

13. What was the main tool-pit of Natufian Culture ?
नतुफियन संस्कृति का कौन सा अपकरण झोला था?

14. Describe the cultural sequence of Mehergarh.
मेहरगढ़ के सांस्कृतिक क्रम को विवेचन कीजिए।

15. State different stages of stone bead manufacturing process during Harappan times in Gujarat.

गुजरात में हडप्पा कालीन मनको के निर्माण के चरणो का विवेचन कीजिए।

16. Enumerate techno-typological features of Black-and-Red ware.

कृष्ण लोहित मृद माण्ड को तकनीकी व प्रारुप का वर्णन कीजिए।

17. State the reason for not getting stone tools from Ahar.
आहार. से पाषाण उपकरणो के प्राप्त न होने का कारण बताइए

18. Elaborate main features of plan of Brihdishwara temple.
बृहदीश्वर मन्दिर के विन्यास का प्रमुख विशेषताओं को बताइए।

19. Write the features of cast coins of Janpad period.
जनपद काल के ढलुआ मुद्राओ की विशेषताऐ लिखिए।

20. Explain nomenclature and area of prevalence of khorosti script.
खरोष्ठी लिपि की नामावली व प्रचलन क्षेत्र को समझाइए ।

SECTION - III

भाग – III

NOTE: This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12 × 5 = 60 Marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंको का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12 × 5 = 60 अंक)**

Elective - I

विकल्प – I

21. Do you agree that the upper palaeolithic phase is well represented in India ? Enumerate its main features.

क्या आप इससे सहमत है कि उच्च पुरा प्रस्तर चरण भारत में स्थापित है उसके प्रमुख लक्षणो की गणना करें।

22. Reconstruct the palaeo-climate and stone age culture sequence of Sohan Valley.

सोहन घाटी के पुरा पर्यावरण एवम पाषाण कालीन सांस्कृतिक क्रम की संरचना कीजिए।

23. Evaluate dwelling tendencies of the Neolithic inhabitants of Kashmir Valley.

कश्मीर घाटी के नवप्रस्तर कालीन आवासीय प्रवृन्तियो का मुल्योकर करें

24. Discuss main features of the burial practices prevalent in the mesolithic times in India.

भारत के मध्यप्रस्तर काल की मृतक विसर्जन प्रथा के प्रमुख आयामो का विवेचन करें।

25. Critically examine evidence for the Neolithic patterns of chhotanagpur plateau.

छोटानागपुर के पठार के नवप्रस्तर नमुनो के प्रमाण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए

अथवा / OR

Elective - II

विकल्प – II

21. Give an account of indigeneous pre-Harappan chalcolithic cultures of Gujarat.

गुजरात के स्थानीय प्राक हडप्पीय ताम्राश्य संस्घतियो का विवरण प्रस्तुत कीजिए

22. Outline the distinctive features of Harappan religion.
हडप्पीय धर्म के प्रमुख लक्षणो की रुपरेखा का विवरण प्रस्तुत कीजिए

23. Bring out historical significance of excavated horizon at Bhagwanpura which reveals an overlap phase of painted gray ware and Harappans.
भगवानपुरा के उत्खनन से उपलब्ध धुसर चित्रित मृद मांड व हडप्पीय अवशेंषो के निप्रित स्तर के एतिहासिक महत्व को दशाइए

24. Review the significance of copper hoard culture in India archaeology.
भारतीय पुरातत्व में तामृविधियो के महत्व की समीक्षा कीजिए।

25. Evaluate the Malwa chalcolithic culture in the light of available archaeological data.
उपलब्द पुराताच्विक प्रमाणो के प्रकाश में मालवा की ताम्राश्मक संस्कृति का मुल्यांकन कीजिए

अथवा / OR

Elective - III

विकल्प – III

21. Discuss major factors responsible for the growth of first urbanization in the Ganga plain.
मालवा की घाटी में प्रथम नगरीकरण के विकास के प्रमुख कारणो का विवेचन करें।

22. What were the main components of the capital of Vatsa kingdom as revealed from archaeological excavations ?
पुराताच्विक उत्खननो से उपलब्ध साक्ष्यो के आधार पर वत्स राज्य के राजधानी के प्रमुख घटक क्या थे ?

23. Examine the archaeological evidence for Roman trade with India as revealed by the remains of Arikamedu.
अरिकामेडू से उपलब्ध अवशेषो के आधार पर रोम और भारत के मध्य व्यापार के पुरातत्विक प्रमाणो का परीक्षण करें ?

24. Discuss main features of settlement pattern based on excavated sites of Gupta period.
उत्खनित स्थलो के आधार पर गुप्त कालीन सन्निक्शो के मुख्य लक्षणो का विवेचन करें।

25. Critically examine the evidence for the antiquity of iron technology in Ganga plain.
गंगा की घाटी में लोह तकनीक की प्राचीनता के प्रमाणो का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

अथवा / OR

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Discuss main features of town planning of Dholavira.
धोलावीर के नगर विन्यास के प्रमुख लक्षणो का विवेचन करें।

22. The development of chaitya-grihas are marked by enlarged size and elaborate declaration of the facade. Evaluate with examples.
'चैत्य गृही का विकास आकार की वृद्धि तथा आमुख के अलंकरण की वृद्धि के रुप में उपलब्ध होता है। उदाहरण सहित इस कथन का मुल्यांकण करें।

23. Enumerate the main theme of the frescos at Ajanta. Also mention their historical significance.
अजन्ता के मित्रिचित्रों की मुख्य विषय वस्तु का वर्णन करें तथा उनके ऐतिहासिक महत्व की चर्चा करें।

24. Trace main features of plan and elevation of Sun temple at Konark.
कोनार्क के सुर्य मन्दिर के स्थल विन्यास तथा उत्तोलन के प्रमुख लक्षणो का वर्णन करें

25. The main theme of depiction of Mauryan capitals is animal. Discuss its historical significance with examples.
मौर्य स्तम्भ शीशो की मुख्य विषयवस्तु पशु है। उदाहरणो सहित इसके ऐतिहासिक महत्व का विवेचन करें।

अथवा / OR

Elective - V

विकल्प – V

21. Discuss historical information of Asokan Rock Edict XIII.
अशोक के XIII.शिलालेख मे उत्केरित ऐतिहासिक सुचनाओ का विश्लेषण करें।

22. Evaluate critically religious policy of Kushana kings as revealed from their coins.
कुषाण राजा ओ की धार्मिक नीति का उनके द्वारा जारी की गयी मुद्राओ के आधार पर मुल्यांकन कीजिए।

23. Give an account of Gadhiya Coins and its circulation in time and space.
गधैया सिक्कों के प्रचलन के काल और क्षेत्र का विवरण दें।

24. Evaluate the dynastic information available in the pillar inscription of Samudragupta.
समुद्रगुप्त के स्तम्भ अभिलेख मे राजवंश से सम्बन्धित सुचनाओ का मुल्यांकन करें।

25. Evaluate the contents of sangli copper plate of Govinda IV.
गोविन्द IV के सांगली ताम्रपत्र की विषयवस्तु का मुल्यांकन करें।

SECTION - IV

भाग – IV

NOTE : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks. **(40 × 1 = 40 Marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में आपेक्षित है। **(40 × 1 = 40 अंक)**

26. Write an essay on any of the following :

(a) The stages of urbanization of the Third Millennium B.C. in Indo-Pakistan sub-continent.

(b) Reconstruct the palaeoenvironment and techno-cultural sequence of the terminal pleistocene and early Holocene in Belan Valley.

(c) Design a research project on epigraphs of a particular dynasty, enumerating objectives, proposed methodology and hypothesis to be tested.

निम्न मे से किसी एक पर निबन्द लिखिए :

(a) भारत–पाक उपमहाद्वीप के इ.पू. तृतीय सहस्त्रब्दि मे विकासित नगरीकरण के विभिन्न चरण।

(b) बेलन घाटी मे प्रतिनुतन काल के समापन से प्रारंभिक नुतन काल के पुरापर्यावरण व तकनिकी सांस्कृतिक क्रम की संरचना।

(c) किसी राजवंश के अभिलेखों पर एक शोध परियोजना तैयार कीजिए, जिसमें उद्देश्य, प्रस्तावित प्रविधि तथा परीक्षण की जानी वाली परिकल्पना का विवरण हो।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....